दर्द के दवा डाक्टर के पास लेकिन दु:ख निवारण परमात्मा के पास-दादी जानकी

माउण्ट आबू, 22 मई। ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने ज्ञान सरोवर में मूल्यों के माध्यम से मीडिया का सशक्तिकरण पर आयोजित सेमिनार के स्वागत सत्र में देश के विभिन्न भागों से आये मीडियाकर्मियों को सम्बोधन करते हुए कहा कि स्वार्थ एवं ईर्ष्या के वशीभूत किसी को दु:ख देने में कोई भलाई नहीं। इस पावन परिसर से किसी को भी दु:ख न देने और किसी से दु:ख न लेने का संकल्प लेकर अपने कार्यक्षेत्र में जायें।

अपने आशिवर्चन में दादीजी ने संस्था के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा का वह संदेश याद दिलाया जिसमें उन्होंने कथनी पीछे और करनी पहले का सिद्धांत अपनाने की प्रेरणा दी थी। दादीजी ने सावधान किया कि दूसरों को दु:ख देने वालों को अन्ततः उसका फल भोगना पड़ेगा। मनुष्य की इच्छायें नित्यप्रतिदिन बढ़ती जाती हैं भगवान ने हमें इच्छाओं पर नियंत्रण पाने का संदेश दिया है। प्रभु सभी को सदबुद्धि और सदकर्म करने की शक्ति प्रदान करें, ऐसी भावना प्रत्येक ह्दय में विकसित होनी चाहिए। धर्म सच्चाई है इस सत्य को स्वीकार करेंगे तो कर्म में नम्रता व प्रेम का समावेश स्वमेव हो जायेगा। मन में शान्ति है तो प्रेम का प्रसार होगा। सहन शक्ति को जीवन का अभिन्न अंग बनाने की प्रेरणा देते हुए दादीजी ने कहा कि सभी समस्याओं का निवारण सहनशीलता से सम्भव है। सहनशक्ति मनुष्य को सच्चाई व प्रेम का अवतार बना सकती है।

मूल्यों को जीवन में उतारने पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि इन्हें धारण करने के लिए अपनी कमजोरियों को समाप्त करो, भाग्य बनाओ और भाग्य बांटों। सुख शान्ति की सम्पत्ति अर्जित करो और इसे दूसरों में बांटों मौन की शक्ति का महत्व समझाते हुए दादीजी ने कहा कि भीतर से शान्त रहने से भगवान से बात करने की शक्ति संचित करना सहज हो जायेगा। आत्मा की कमजोरियां समाप्त करके परमात्म शक्ति को जीवन में धारण करने का सदप्रयास करना चाहिए।

स्वागत सत्र की शुरूआत में अल्कापुरी से आयी बहनों ने मंच पर आसीन अतिथियों को पुष्प गुच्छे भेंट किये, मधुरवाणी ग्रुप ने है मगन अरावली का यह पावन चमन मीडिया मनीषियों का हो रहा है शुभागमन स्वागत गान गाया। सिद्धपुर अहमदाबाद की नन्हीं बालिका निधि ने स्वागत नृत्य द्वारा सत्र की शोभा बढ़ायी।
स्वागत भाषण में ज्ञान सरोवर एकेडेमी के समन्वयक ब्र. कु. मोहन ने कहा कि विज्ञान ने बाहर तो उजाला कर दिया लेकिन अन्तर्मन का प्रकाश नहीं हो रहा है इस कमी को दूर करने का भागीरथी प्रयत्न ज्ञान सरोवर द्वारा किया जा रहा है। विश्व विद्यालय का लक्ष्य भ्रम, भय व भूख से ग्रस्त संसार में रहने वालों को इन तीनों से मुक्त कराना है।

मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र. कु. ओमप्रकाश ने कहा भोगवाद व अध्यात्मवाद की संस्कृति में संतुलन बनाने के महान कार्य में मीडिया निर्णयात्मक भूमिका निभा सकता है। राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के चित्रों से सज्जित मंच से मीडियाकर्मियों को ब्रह्माकुमारी सरला दीदी ने मूल्यनिष्ठ बनने के लिए प्रतिबद्ध होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक सशक्तिकरण के स्वरूप को धारण कर स्वर्ग की स्थापना में मीडियाकर्मियों को सहयोगी बन सकते हैं, क्योंकि इनमें नयी सृष्टि की रचना का समाचार जन-जन तक पहुंचाने का सामर्थ्य है। ब्रह्माकुमार निकुंज ने मूल्यों के धार से कलम को सशक्त बनाने की प्रेरणा दी।

ब्रह्माकुमारी मुन्नी बहन ने दादी प्रकाशमणि के सान्निध्य में बिताये समय के अनुभव साझा करते हुए कहा कि दादीजी के प्रयास से ही संस्था के सेवाकेन्द्रों की संख्या 5 सौ से बढ़कर आठ हजार तक जा पहुंची। कार्यक्रम का संचालन ब्र. कु. प्रभा तथा रूपरेखा पर ब्र. कु. चन्दा ने प्रकाश डाला